प्रारंभिक परीक्षा

अनुच्छेद –142

संदर्भ

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने 250 छात्रों को मंगलुरु में अपने संस्थान के परिसर के स्थानांतरण के कारण शिक्षा में आने वाली बाधाओं से संरक्षण प्रदान करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 का प्रयोग किया।

अनुच्छेद-142 की मुख्य विशेषताएं -

- **पूर्ण न्याय**: इस अनुच्छेद का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्याय व्यापक रूप से दिया जाए, उन स्थितियों को संबोधित किया जाए जहाँ वैधानिक प्रावधान अपर्याप्त हो सकते हैं।
- **विवेकाधीन प्रकृति:** इस अनुच्छेद के तहत शक्तियाँ विवेकाधीन हैं, जिसका अर्थ है कि न्यायालय प्रत्येक मामले की बारीकियों के आधार पर चुन सकता है कि उन्हें कब और कैसे प्रयोग करना है।

अनुच्छेद-142 से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय -

- **विधेयक मामले में तमिलनाडु के राज्यपाल की निष्क्रियता (2025):**
  - **संदर्भ**: सर्वोच्च न्यायालय ने एक संवैधानिक संकट का समाधान किया, जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल ने राज्य विधानमंडल द्वारा पारित 10 विधेयकों की मंजूरी पर अनिश्चित काल के लिए रोक लगा दी थी।
  - राज्यपाल ने इन विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखा था, लेकिन वे लंबे समय तक उन पर कार्रवाई करने में विफल रहे, जिससे राज्य में विधायी प्रक्रिया प्रभावी रूप से बाधित हो गई।
  - **महत्व**: सर्वोच्च न्यायालय ने "पूर्ण न्याय" सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 142 का प्रयोग किया और माना कि राज्यपाल की लंबी निष्क्रियता असंवैधानिक थी।
- **शिल्पा शैलेश बनाम वरुण श्रीनिवासन (2023):**
  - **संदर्भ**: सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि वह अनुच्छेद 142 के तहत "विवाह के असाध्य विघटन" के आधार पर सीधे तलाक दे सकता है।
  - **महत्व**: यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय को हिंदू विवाह अधिनियम द्वारा निर्धारित सामान्य प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को दरकिनार करने की अनुमति देता है, जिसमें आम तौर पर आपसी सहमति से तलाक के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि शामिल होती है।
- **चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव (2023)**:
  - **संदर्भ**: इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव परिणामों को पलट दिया और सुनिश्चित किया कि चुनावी लोकतंत्र बरकरार रहे।
  - **महत्व**: यह मामला बताता है कि चुनावी प्रक्रियाओं में प्रक्रियागत अनियमितताओं को सुधारने के लिए अनुच्छेद 142 का प्रयोग कैसे किया जा सकता है।

UPSC PYQ

प्रश्न. भारत के संविधान के संदर्भ में, सामान्य विधियों में अंतर्विष्ट प्रतिषेध अथवा निर्बंधन अथवा उपबंध, अनुच्छेद 142 के अधीन सांविधानिक शक्तियों पर प्रतिषेध अथवा निर्बंधन की तरह कार्य नहीं कर सकते। निम्नलिखित में से कौन-सा एक, इसका अर्थ हो सकता है? (2019)

(a) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय लिए गए निर्णयों को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।
(b) भारत का उच्चतम न्यायालय अपनी शक्तियों के प्रयोग में संसद द्वारा निर्मित विधियों से बाध्य नहीं होता।
(c) देश में गंभीर वित्तीय संकट की स्थिति में, भारत का राष्ट्रपति मंत्रिमंडल के परामर्श के बिना वित्तीय आपात घोषित कर सकता है।
(d) कुछ मामलों में राज्य विधानमंडल, संघ विधानमंडल की सहमति के बिना, विधि निर्मित नहीं कर सकते।

उत्तर: (**b**)

स्रोत: **Indian Express - 142**

तम्बाकू किसानों को राहत

संदर्भ

सरकार ने **वर्जीनिया तम्बाकू उत्पादकों** के लिए पंजीकरण वैधता को एक वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष करने के लिए **तम्बाकू बोर्ड नियम, 1976** में संशोधन किया है।

तम्बाकू के बारे में -

- **भारत में तम्बाकू की खेती पुर्तगालियों द्वारा 1605 में शुरू की गई थी।**
- यह भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसलों में से एक है।
- **भारत में उगाई जाने वाली तम्बाकू की किस्में**: फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (FCV), बर्ले, बीड़ी, च्यूइंग, नैटू, ओरिएंटल, एचडीबीआरजी, लंका, हुक्का, मोतिहारी और जति तम्बाकू आदि।
- **पनपने के लिए आदर्श परिस्थितियाँ**:
    - **पाला रहित जलवायु**: तम्बाकू को परिपक्व होने के लिए लगभग 100 से 120 दिनों के पाले रहित जलवायु की आवश्यकता होती है।
    - **तापमान**: लगभग 80°F (27°C) का औसत तापमान
    - **मिट्टी**: तम्बाकू को गर्म जलवायु में समृद्ध, अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में उगाया जाता है।
- **भारत एकमात्र ऐसा देश है जो 2 मौसमों में तम्बाकू का उत्पादन करता है।**
- **भारत में सबसे अधिक उत्पादन**: (1) गुजरात (41%) (2) आंध्र प्रदेश (22%) (3) उत्तर प्रदेश
- **दुनिया भर में सबसे अधिक उत्पादन**: (1) चीन (2) भारत (3) ब्राज़ील

भारतीय तम्बाकू बोर्ड -

- **इसकी स्थापना 1976 में तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 की धारा-(4) के तहत एक वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी। (मुख्यालय - गुंटूर, आंध्र प्रदेश)**
- **नोडल मंत्रालय**: केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
- **कार्य:**
    - तम्बाकू और इससे संबंधित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना।
    - यह सुनिश्चित करना कि तम्बाकू उत्पादकों को उनके उत्पाद के लिए उचित और लाभकारी मूल्य मिले।

UPSC PYQ

प्रश्न. भारत में "चाय बोर्ड" के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2022)

1. चाय बोर्ड एक सांविधिक निकाय है।
2. यह कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से संलग्न नियामक निकाय है।
3. चाय बोर्ड का प्रधान कार्यालय बेंगलुरु में स्थित है।
4. इस बोर्ड के दुबई और मॉस्को में विदेशी कार्यालय हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं? (2022)

(a) 1 और 3
(b) 2 और 4
(c) 3 और 4
(d) 1 और 4

उत्तर: (**d**)

स्रोत: PIB - Tobacco

समाचार में स्थान

मरमारा सागर (Sea of Marmara)

- हाल ही में, मरमारा सागर में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया।

- **यह एक अंतर्देशीय समुद्र है जो तुर्की के एशियाई और यूरोपीय भागों को आंशिक रूप से अलग करता है।**
- यह पूरी तरह से तुर्की की सीमाओं के भीतर है।
- **बोस्पोरस जलडमरूमध्य** इसे काला सागर से जोड़ता है और **डार्डानेल्स जलडमरूमध्य** इसे एजियन सागर से जोड़ता है।

स्रोत: The Hindu - Marmara

समाचार संक्षेप में

स्थायी जमा सुविधा (SDF)

- SDF ने अपने आरंभ के तीन वर्ष पूरे कर लिये हैं। यह भारतीय रिजर्व बैंक के लिक्विडिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क का हिस्सा है।

स्थायी जमा सुविधा (SDF) के संदर्भ में -

- **यह बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता को अवशोषित करने के लिए, RBI का एक मौद्रिक नीति उपकरण है।**
- यह बैंकों को बदले में संपार्श्विक प्रदान करने की आवश्यकता के बिना, अपने अधिशेष धन को RBI के पास जमा करने की अनुमति प्रदान करता है।
- यह अतिरिक्त धन को अवशोषित करके, मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने में सहायता करता है।
- **तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के लिए पात्र कोई भी संस्था, स्थायी जमा सुविधा (SDF) का भी उपयोग कर सकती है।**

स्रोत: Economic Times - SDF

वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC)

- हाल ही में नैसकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव ने कहा कि- देश में GCC के विकास को सुविधाजनक बनाना, सरकार की प्राथमिकता है।

GCC क्या हैं?

- **यह बहुराष्ट्रीय निगमों (MNC) द्वारा अपने मूल संगठन के लिए विशेष कार्य करने हेतु स्थापित, एक रणनीतिक चौकी/शाखा है।**
- **GCC के कार्य:**
  - **नवाचार को बढ़ावा देना:** नए उत्पाद या सेवाएँ निर्मित करना तथा अनुसंधान करना।
  - **प्रौद्योगिकी का प्रबंधन:** IT सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा एवं अन्य तकनीकी आवश्यकताओं का प्रबंधन करना।
  - **बैक-ऑफ़िस कार्यों को संभालना:** वे वित्त, मानव संसाधन, खरीद और ग्राहक सहायता का ध्यान रखते हैं।
  - **अनुपालन सुनिश्चित करना:** वे सुनिश्चित करते हैं कि- कंपनी कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करती है तथा वैश्विक परिचालन में जोखिमों का प्रबंधन करती है।
- भारत में, GCC इनोवेशन हब और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (CoE) के रूप में विकसित हुए हैं।
- **भारत में GCC स्थापित करने के लिए शीर्ष गंतव्य:** बेंगलुरु, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली-NCR और GIFT सिटी।

स्रोत: The Hindu - GCC

गंभीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय (SFIO)

- **यह एक बहु-विषयक संगठन है, जो भारत में कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है।**
- **नोडल मंत्रालय:** कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय।
- इसकी **स्थापना 2003 में** वित्तीय क्षेत्र में बड़ी विफलताओं, शेयर बाजार घोटाले तथा लुप्त हो रही कंपनियों की घटना की प्रतिक्रिया में की गई थी।
- SFIO का नेतृत्व एक निदेशक करता है, जो भारत सरकार का संयुक्त सचिव होता है।
- इसके क्षेत्रीय कार्यालय- मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में स्थित हैं।

- **कार्य:**
  - सफेदपोश अपराधों और धोखाधड़ी का पता लगाना तथा उन पर मुकदमा चलाना
  - बहु-विषयक जटिलताओं वाले जटिल मामलों की जांच करना
  - जनहित से संबंधित मामलों की जांच करना
  - ऐसे मामलों की जांच करना, जो सिस्टम, कानून या प्रक्रियाओं में सुधार कर सकते हैं

स्रोत: The Hindu - SFIO

नदियों में एंटीबायोटिक प्रदूषण

- एक हालिया अध्ययन के अनुसार- विश्व भर में 6 मिलियन किलोमीटर नदियाँ पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए सुरक्षा सीमा से अधिक एंटीबायोटिक सांद्रता के संपर्क में हैं।

अध्ययन के संदर्भ में -

- वैज्ञानिकों ने वैश्विक नदी डेटासेट (RiverATLAS) का उपयोग यह अनुमान लगाने के लिए किया कि- विश्व की नदियों में कितना एंटीबायोटिक प्रदूषण विद्यमान है।
- उन्होंने सामान्य तौर पर उपयोग होने वाले 21 एंटीबायोटिक्स का अध्ययन किया तथा विश्व भर में लगभग 36 मिलियन किलोमीटर नदियों को कवर करते हुए, 8.5 मिलियन नदी खंडों में उनके स्तर का अनुमान लगाया।
- **मुख्य योगदान देने वाले एंटीबायोटिक्स:** एमोक्सीसिलिन, सेफ्ट्रिएक्सोन और सफिक्सिम।
- 80% भारतीय नदियों पर एंटीबायोटिक प्रदूषण का ख़तरा है।
  - सफिक्सिम (ब्रोंकाइटिस और अन्य संक्रमणों के उपचार के लिए उपयोग किया जाता है), भारत में नदी प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है
  - भारत विश्व के सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है।
  - **अन्य उच्च-जोखिम वाले देश:** नाइजीरिया, पाकिस्तान, इथियोपिया और वियतनाम।

नदियाँ किस प्रकार प्रदूषित होती हैं?

- **मानव अपशिष्ट:** जब हम एंटीबायोटिक्स का सेवन करते हैं, तो इसका एक हिस्सा पच नहीं पाता है तथा मूत्र और मल के साथ उत्सर्जित हो जाता है। यह अपशिष्ट सीवेज सिस्टम में चला जाता है।
- **खराब अपशिष्ट जल उपचार:** अधिकांश अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र एंटीबायोटिक दवाओं को प्रभावी ढंग से नहीं हटा पाते हैं ➡ दवाएं नदियों में बह जाती हैं।

प्रभाव -

- **पर्यावरणीय क्षति:** नदियों में एंटीबायोटिक्स, जलीय जीवन को हानि पहुँचाते हैं।
  - वे जल में विद्यमान प्राकृतिक माइक्रोबियल पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकते हैं।
- **एंटीबायोटिक प्रतिरोध:** सबसे बड़ा खतरा यह है कि, नदियों में मौजूद बैक्टीरिया एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। ये प्रतिरोधी बैक्टीरिया:
  - जल या भोजन के माध्यम से मानव या पशु शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।
  - ऐसे संक्रमण उत्पन्न कर सकते हैं, जिनका उपचार सामान्य दवाओं से नहीं किया जा सकता।

स्रोत: Indian Express - Antibiotic pollution

पलमीरा शहर, सीरिया

- सीरियाई गृहयुद्ध ने पलमीरा शहर को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारक नष्ट हो गए हैं।

पलमीरा शहर के बारे में -

- **पलमीरा शहर, दक्षिण-मध्य सीरिया स्थित में एक प्राचीन शहर है जो सीरियाई मरुस्थल के भीतर एक नखलिस्तान में स्थित है।**
- इसमें एक महान शहर के स्मारकीय खंडहर अवस्थित हैं जो प्राचीन दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों में से एक था।
- यह व्यापार और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें स्थानीय परंपराओं और फ़ारसी प्रभावों के साथ ग्रीक-रोमन स्थापत्य शैली का मिश्रण है।
- **इसे 1980 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल🏛 का दर्जा दिया गया था।**
- **शहर की महत्वपूर्ण वास्तुकला**:
    - बेल का मंदिर, ग्रैंड कोलोनेड और रोमन थिएटर।

स्रोत: **Indian Express - Palmyra**

लिपिड्स(Lipids)

- **CSIR**-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (हैदराबाद) के एक **नए अध्ययन** के अनुसार, कोशिकाओं में **लिपिड** - वसा - प्रोटीन के साथ निकटता से अंत: क्रिया करके विकास को निर्देशित करते हैं, विशेषकर कोशिका झिल्ली में।

लिपिड्स क्या हैं?

- **लिपिड्स वसा होते हैं जो कोशिका झिल्ली का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं।**
- वे प्रोटीन के साथ कोशिकाओं की **बाहरी परत** का निर्माण करते हैं, जिसे **कोशिका झिल्ली** के रूप में जाना जाता है।
- वे जीवित जीवों में विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यक हैं, जिसमें ऊर्जा भंडारण, तापावरोधन (इन्सुलेशन) आदि शामिल हैं।
- **लिपिड्स पानी में अघुलनशील होते हैं किंतु गैर-ध्रुवीय विलायक (सॉल्वैंट्स) में घुलनशील होते हैं।**
- **लिपिड्स के प्रकार**:
    - **ट्राइग्लिसराइड्स (वसा और तेल):** संग्रहीत ऊर्जा का प्रमुख रूप।
    - **फॉस्फोलिपिड्स**: कोशिका झिल्ली का मुख्य संरचनात्मक घटक बनाते हैं।
    - **स्टेरॉयड**: इसमें कोलेस्ट्रॉल शामिल है, जो हार्मोन का प्रणेता है।
    - **मोम**: पौधों की क्यूटिकल्स और जानवरों की त्वचा में पाया जाता है
- **पौधों और जानवरों में लिपिड्स अलग-अलग होते हैं**:
    - पॉलीअनसेचुरेटेड वसीय अम्ल के कारण पौधों के लिपिड्स का **अंतिम भाग अधिक विकृत** होता है → **अधिक लचीलापन प्रदान** करते हैं।
    - जानवरों के लिपिड्स सीधे होते हैं → अधिक कठोर संरचना।

स्रोत: **The Hindu - Lipids**

संपादकीय सारांश

खाद्य पदार्थों में मिलावट

संदर्भ

मिलावटी खाद्य पदार्थों की व्यापकता को देश में खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत में स्वास्थ्य संकट की स्थिति (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5, 2019-21)

सूचक	डेटा
5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में स्टंटिंग(Stunting)	35.5%
5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में वेस्टिंग(Wasting)	19.3%
कम वजन का प्रचलन	32.1%
भारत की मधुमेह पीड़ित जनसंख्या	~77 मिलियन (18 वर्ष से अधिक वयस्क)

खाद्य पदार्थों में मिलावट का क्या मतलब है?

खाद्य पदार्थों में मिलावट से तात्पर्य जानबूझकर या अनजाने में भोजन में मिलावट करके, मिलाकर या प्रतिस्थापित करके भोजन को दूषित करना है।

भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रकार -

- **दूध और डेयरी उत्पाद:**
  - **सामान्य मिलावट**: पानी, स्टार्च, डिटर्जेंट, सिंथेटिक दूध, यूरिया, कास्टिक सोडा।
  - **नकली पनीर**: स्टार्च, सिंथेटिक दूध और गैर-खाद्य एसिड का उपयोग करके बनाया गया।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: जठरांत्र संबंधी समस्याएं, गुर्दे की क्षति, चयापचय संबंधी विकार, और गंभीर मामलों में, कैंसर।
- **खाद्य तेल**:
  - **सामान्य मिलावट**: आर्जीमोन तेल (विषाक्त), अरंडी का तेल, खनिज तेल, चावल की भूसी का तेल।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: ग्लूकोमा, हृदय संबंधी समस्याएं, ड्रॉप्सी (द्रव प्रतिधारण के कारण सूजन)।
- **मसाले**:
  - **सामान्य मिलावट**: कृत्रिम रंग, लेड क्रोमेट (हल्दी में), सूडान डाई (मिर्च पाउडर में), ईंट का चूरा।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: यकृत क्षति, कैंसर (कार्सिनोजेनिक रंगों के कारण), एनीमिया।
- **सब्जियाँ और फल**:
  - **सामान्य मिलावट**: मैलाकाइट ग्रीन (पत्तेदार सब्जियां), मोम कोटिंग (सेब), कैल्शियम कार्बाइड (पकाने के लिए), ऑक्सीटोसिन (आकार बढ़ाने के लिए)।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: हार्मोनल असंतुलन, तंत्रिका संबंधी विकार, कैंसर।
- **अनाज और दालें**:
  - **सामान्य मिलावटें**: कृत्रिम रंगों से पॉलिश करना, पत्थरों, चाक पाउडर का मिश्रण।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: पाचन विकार, गुर्दे की समस्याएं।
- **पेय पदार्थ और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ**:
  - **सामान्य मिलावटें**: कृत्रिम मिठास, रंग, सीमा से अधिक परिरक्षक।
  - **स्वास्थ्य जोखिम**: मोटापा, मधुमेह, कैंसर, एलर्जी।

भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट की हालिया घटनाएँ -

- एमडीएच और एवरेस्ट मसालों पर प्रतिबंध (2024)
- दिल्ली, नोएडा, मुंबई में नकली पनीर (2023–2024)
- मिलावटी तरबूज (2024)

तथ्य -

- **खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने के लिए कानून:**
  - **खाद्य पदार्थों में मिलावट**: समवर्ती सूची।
  - **खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006:** मिलावटखोरी रखने पर जुर्माना लगाता है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट से जुड़े स्वास्थ्य जोखिम -

मिलावट	स्वास्थ्य जोखिम
डिटर्जेंट (दूध/पनीर में)	जठरांत्र संबंधी समस्याएं, दस्त, विषाक्तता
सिंथेटिक दूध	यकृत और गुर्दे की क्षति
आर्जीमोन तेल (सरसों के तेल में)	महामारीजन्य जलोदर (सूजन, ग्लूकोमा, यहां तक कि मृत्यु भी)
एथिलीन ऑक्साइड (मसालों में)	कैंसर (समूह 1 कार्सिनोजेन), प्रजनन संबंधी समस्याएं
कृत्रिम रंग	बच्चों में अति सक्रियता, त्वचा एलर्जी, कैंसर
दूध/पनीर में स्टार्च/ग्लूकोज	शुगर का स्तर बढ़ता है, मधुमेह रोगियों के लिए हानिकारक
एसिटिक एसिड (नकली पनीर में)	पेट में अल्सर, म्यूकोसल क्षति

क्या किया जाने की जरूरत है -

- FSSAI का सख्त प्रवर्तन और औचक निरीक्षण।
- खाद्य पदार्थों में मिलावट के बारे में जन जागरूकता अभियान।
- खाद्य साक्षरता पहल, जिससे लोगों को यह सिखाया जा सके कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का पता कैसे लगाया जाए और उनसे कैसे बचा जाए।
- खेती से लेकर पैकेजिंग तक आपूर्ति श्रृंखला की बेहतर निगरानी।
- खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों और संदूषकों के लिए अनुमेय सीमा को अद्यतन किया गया।

स्रोत: **Indian Express: Hard To Stomach**

विस्तृत कवरेज

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला

संदर्भ

पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में आतंकवादी हमले में 26 पर्यटक मारे गए।

समाचार के बारें में और अधिक जानकारी -

- राष्ट्रीय सुरक्षा पर देश की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था - सुरक्षा पर कैबिनेट समिति या CCS - ने जांच में सामने आए "सीमा पार संबंधों" को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कुछ सख्त और दंडात्मक कदम उठाए हैं।
    - सिंधु जल संधि (1960) निलंबित की गई।
    - अटारी-वाघा सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट तत्काल प्रभाव से बंद कर दी जाएगी।
        - जो व्यक्ति वैध यात्रा प्रमाण पत्र के साथ भारत में आए हैं, वे 01 मई 2025 तक उसी मार्ग से वापस आ सकते हैं।
    - पाकिस्तानी नागरिकों को अब **सार्क वीज़ा छूट योजना (SVES)** के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले जारी किए गए सभी **SVES** वीज़ा रद्द कर दिए गए हैं।
        - इस योजना के तहत भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत से चले जाना होगा।
    - **सैन्य अताशे(Military Attachés) और सलाहकार:** नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में नौसेना और वायु सेना सलाहकार के रूप में तैनात रक्षा अधिकारियों को अवांछित घोषित कर दिया गया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ना होगा।
        - इसके अनुरूप, भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से अपने रक्षा सलाहकारों को वापस बुलाएगा।
        - अब से ये सैन्य सलाहकार पद रद्द कर दिए गए हैं।
        - इसके अतिरिक्त, दोनों मिशनों से पांच सहायक स्टाफ सदस्यों को तत्काल वापस बुलाया जाएगा।
    - **राजनयिक कर्मचारियों में कमी:** दोनों देशों के उच्चायोगों में कुल राजनयिक कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 कर दी जाएगी, जिसे 01 मई 2025 तक लागू किया जाएगा।

परिचय

- **आतंकवाद सदियों से विकसित हुआ है - राज्य प्रायोजित हिंसा से लेकर वैचारिक अतिवाद तक - जो सत्ता, राजनीति और संघर्ष की बदलती प्रकृति को दर्शाता है।**
- इसके शुरुआती निशान **फ्रांसीसी क्रांति (1793-94)** के दौरान आतंक के शासन में निहित हैं, जहां राज्य ने भय को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया था।
- प्राचीन समूह जैसे कि सिकारि (पहली शताब्दी ई.) और हत्यारे (11वीं शताब्दी) ने धार्मिक या राजनीतिक उद्देश्यों के लिए लक्षित हत्याओं की शुरुआत की।
- 19वीं शताब्दी में, आतंकवाद अराजकतावादी और क्रांतिकारी आंदोलनों से जुड़ गया - विशेष रूप से रूस में नरोदनाया वोल्या, जिसने 1881 में ज़ार अलेक्जेंडर द्वितीय की हत्या कर दी थी।
- 20वीं सदी में राष्ट्रवादी और अलगाववादी आतंकवाद में उछाल देखा गया, जैसा कि आयरलैंड में IRA, अल्जीरिया में FLN और स्पेन में ETA की गतिविधियों में देखा गया।
- 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक आतंकवाद की ओर बदलाव देखा गया है, जो अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे नेटवर्क द्वारा संचालित है, जो वैश्विक स्तर पर भय फैलाने के लिए आधुनिक संचार उपकरणों और विकेंद्रीकृत रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- **इस प्रकार, आतंकवाद स्थानीय राजनीतिक हिंसा से वैश्विक असममित खतरे में बदल गया है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को समान रूप से प्रभावित कर रहा है।**

क्या आतंकवाद एक अपराध है या युद्ध?

- **आतंकवाद मुख्यतः एक अपराध है, लेकिन यह युद्ध में एक रणनीति के रूप में भी काम कर सकता है, विशेष रूप से असममित या गैर-राज्य संघर्षों में।**
- यद्यपि विश्व स्तर पर आतंकवाद की लगभग 200 परिभाषाएं हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, जिसमें संयुक्त राष्ट्र प्रणाली भी शामिल है, कोई सार्वभौमिक रूप से बाध्यकारी कानूनी परिभाषा मौजूद नहीं है।
- हालाँकि, आतंकवाद को व्यापक रूप से हिंसा के जानबूझकर प्रयोग के रूप में मान्यता प्राप्त है जिसका उद्देश्य राजनीतिक या वैचारिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भय पैदा करना होता है।
- आतंकवादी कृत्य - जैसे अपहरण, हत्या, आगजनी और बंधक बनाना - आपराधिक प्रकृति के होते हैं।
- आतंकवाद के रूप में इनकी पहचान यह है कि इनका उद्देश्य राजनीतिक या सामाजिक उद्देश्यों के लिए सरकार या नागरिक आबादी को डराना या मजबूर करना होता है।
- युद्ध के दौरान भी देशों ने अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया है। उदाहरण के लिए, इजरायल के खिलाफ संघर्ष में हमास और हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन दर्शाता है कि आतंकवाद युद्ध के भीतर एक रणनीति के रूप में कैसे काम कर सकता है, खासकर प्रॉक्सी अभिनेताओं द्वारा।

आतंकवाद की परिभाषाएँ -

- **एफबीआई (संयुक्त राज्य अमेरिका):** "आतंकवाद राजनीतिक या सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार, नागरिक आबादी या उसके किसी भी हिस्से को डराने या मजबूर करने के लिए व्यक्तियों या संपत्ति के खिलाफ बल या हिंसा का गैरकानूनी उपयोग है।"
- **अमेरिकी विदेश विभाग:** "पूर्व-नियोजित, राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा, जो उप-राष्ट्रीय समूहों या गुप्त एजेंटों द्वारा गैर-लड़ाकू लक्ष्यों के विरुद्ध की जाती है, जिसका उद्देश्य आमतौर पर दर्शकों को प्रभावित करना होता है।"
- **संयुक्त राष्ट्र (यूएन):** यद्यपि संयुक्त राष्ट्र के पास एक भी व्यापक परिभाषा का अभाव है, फिर भी इसने अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत विशिष्ट आतंकवादी कृत्यों (जैसे अपहरण, बंधक बनाना, आतंकवाद को वित्तपोषित करना, आदि) से निपटने के लिए 18 सार्वभौमिक साधन विकसित किए हैं।
- **यूरोपीय संघ:** आतंकवादी अपराधों को गंभीर आपराधिक कृत्यों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनका उद्देश्य, उनकी प्रकृति या संदर्भ के अनुसार, निम्नलिखित होता है:
    - एक आबादी को डराना,
    - किसी सरकार या अंतर्राष्ट्रीय संगठन को कार्य करने या उससे दूर रहने के लिए अनुचित रूप से बाध्य करना,
    - किसी देश की मौलिक राजनीतिक, संवैधानिक, आर्थिक या सामाजिक संरचनाओं को अस्थिर या नष्ट करना।
- **भारत - द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) की 8वीं रिपोर्ट: (श्मिड और जोंगमैन, 1988 से अनुकूलित):** "आतंकवाद बार-बार हिंसक कार्रवाई का एक चिंताजनक तरीका है, जिसका इस्तेमाल (अर्ध-) गुप्त व्यक्ति, समूह या राज्य के अभिनेता आपराधिक या राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। तत्काल मानव पीड़ित मुख्य लक्ष्य नहीं होते हैं; बल्कि, वे प्रतीकात्मक प्रतिनिधि होते हैं, जिन्हें व्यापक संदेश देने के लिए यादृच्छिक या चुनिंदा रूप से चुना जाता है। हिंसा का उद्देश्य वास्तविक लक्षित दर्शकों को डराना, जबरदस्ती या दुष्प्रचार के माध्यम से प्रभावित करना होता है।"

आतंकवाद के प्रकार -

आतंकवाद का प्रकार	परिभाषा / प्रेरणा	उदाहरण
धार्मिक आतंकवाद	धार्मिक विचारधाराओं या ईश्वरीय कर्तव्य में विश्वास से प्रेरित	आईएसआईएस, अलकायदा हमले
जातीय-राष्ट्रवादी आतंकवाद	जातीय पहचान या अलग मातृभूमि की इच्छा से प्रेरित	श्रीलंका में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE)

वामपंथी आतंकवाद	पूंजीवादी व्यवस्था को उखाड़ फेंकने का लक्ष्य; साम्यवादी या समाजवादी विचारधाराओं से प्रेरित	भारत में नक्सल-माओवादी विद्रोह
दक्षिणपंथी आतंकवाद	अति-राष्ट्रवाद, नस्लवाद या आव्रजन विरोधी भावना पर आधारित	क्राइस्टचर्च मस्जिद गोलीबारी (2019), न्यूज़ीलैंड
राज्य प्रायोजित आतंकवाद	किसी संप्रभु राज्य द्वारा समर्थित या वित्तपोषित आतंकवादी गतिविधियाँ	पाकिस्तान द्वारा लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद को कथित समर्थन
नार्को आतंकवाद	सरकारों को प्रभावित करने या विपक्ष को ख़त्म करने के लिए ड्रग कार्टेल द्वारा हिंसा का प्रयोग	कोलम्बियाई ड्रग कार्टेल
साइबर आतंकवाद	व्यवधान उत्पन्न करने या भय फैलाने के लिए साइबरस्पेस का उपयोग	आईएसआईएस का साइबर प्रचार और भर्ती
पर्यावरण आतंकवाद	पर्यावरण या पशु अधिकार के नाम पर हिंसा	अमेरिका में अर्थ लिबरेशन फ्रंट (ईएलएफ)
लोन-वुल्फ आतंकवाद	किसी संगठन से सीधे संबंध न रखते हुए आतंकवाद के व्यक्तिगत कृत्य	ऑरलैंडो नाइट क्लब शूटिंग (2016), अमेरिका

आतंकवाद के साधन -

- **बम विस्फोट और विस्फोटक:** आतंकवादी अक्सर बड़े पैमाने पर जनहानि और विनाश के लिए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेस) और कार बम का उपयोग करते हैं।
    - उदाहरण के लिए, 2008 मुंबई हमले - लश्कर-ए-तैयबा के कार्यकर्ताओं द्वारा समन्वित बम विस्फोट और गोलीबारी की श्रृंखला।
- **अपहरण:** राजनीतिक मांग करने या बड़े पैमाने पर भय पैदा करने के लिए वाहनों (विमान, रेलगाड़ी, जहाज) पर नियंत्रण करना।
    - उदाहरण के लिए, इंडियन एयरलाइंस की उड़ान संख्या आईसी-814 (1999) को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा आतंकवादियों की रिहाई की मांग के लिए अपहृत कर लिया गया।
- **साइबर आतंकवाद:** महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बाधित करने, प्रणालियों को हैक करने या दुष्प्रचार फैलाने के लिए डिजिटल साधनों का उपयोग।
    - उदाहरण के लिए, एस्टोनिया (2007) पर संदिग्ध साइबर हमलों ने बैंकिंग और सरकारी वेबसाइटों को पंगु बना दिया, जो राजनीतिक उद्देश्यों से जुड़े थे।
- **हत्याएं:** भय फैलाने या शासन को अस्थिर करने के लिए राजनीतिक हस्तियों, सुरक्षा अधिकारियों या सामुदायिक नेताओं की लक्षित हत्या।
    - उदाहरणार्थ, राजीव गांधी की हत्या (1991) लिट्टे आत्मघाती हमलावर द्वारा।
- **अपहरण और बंधक बनाना:** सरकारों पर दबाव डालने या फिरौती/एहसान पाने के लिए नागरिकों, राजनयिकों या विदेशियों का अपहरण करना।
    - उदाहरणार्थ, 2004 बेसलान स्कूल पर घेराव (रूस) - चेचन आतंकवादियों द्वारा 1,000 से अधिक बंधक बनाये गये; 300 से अधिक मारे गये।
- **जैव आतंकवाद और रासायनिक हमले:** आतंक, बीमारी या मृत्यु पैदा करने के लिए हानिकारक जैविक या रासायनिक एजेंटों का उपयोग करना।
    - उदाहरणार्थ, 1995 टोक्यो मेट्रो पर औम शिनरिक्यो पंथ द्वारा सरीन गैस हमले में 13 लोग मारे गए तथा 5,000 से अधिक घायल हुए।
- **लोन वुल्फ हमले:** आतंकवादी संगठनों से सीधे संबंध न रखने वाले लेकिन उनकी विचारधारा से प्रभावित व्यक्तियों द्वारा किए गए आतंकवादी कृत्य।

  - उदाहरणार्थ, 2016 नीस ट्रक हमला (फ्रांस) - एक व्यक्ति ने भीड़ पर ट्रक चढ़ा दिया, जिसमें 86 लोग मारे गए।
- **वित्तपोषण और प्रचार:** आतंकवादी नेटवर्कों को वित्तपोषण करना और सोशल मीडिया या भूमिगत नेटवर्कों के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधाराओं को फैलाना।
  - उदाहरणार्थ, आईएसआईएस विदेशी लड़ाकों की भर्ती करने और क्रिप्टोकरेंसी आधारित धन जुटाने के लिए टेलीग्राम और डार्क वेब प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है।

कश्मीर घाटी आतंकवाद का केंद्र क्यों बनी हुई है?

- **ऐतिहासिक शिकायतें:** 1947 में ब्रिटिश भारत के विभाजन के बाद कश्मीर की स्थिति का समाधान नहीं हो सका, जिसके कारण भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध हुए।
  - कश्मीर के भारत में विलय को पाकिस्तान ने चुनौती दी थी और वह अब भी उस पर अपना दावा करता है।
  - 1987 के विवादित चुनावों ने कई कश्मीरियों का मोहभंग कर दिया और युवा उग्रवाद की ओर बढ़ गये।
- **पाकिस्तान की छद्म युद्ध रणनीति:** पाकिस्तान खुले युद्ध के बिना कश्मीर को अस्थिर बनाए रखने के लिए आतंकवाद को कम लागत वाली, उच्च प्रभाव वाली रणनीति के रूप में उपयोग करता है।
  - इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी समूहों को समर्थन और प्रशिक्षण दिया है ।
  - अशांति बनाए रखने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादियों की भर्ती करता है, उन्हें हथियार मुहैया कराता है और घुसपैठ कराता है।
- **धार्मिक कट्टरपंथ का उदय:** प्रारंभ में, उग्रवाद राजनीतिक स्वायत्तता और कश्मीरी पहचान को लेकर था।
  - सोवियत-अफगान युद्ध के बाद कट्टरपंथी लड़ाके और जिहादी विचारधारा कश्मीर में फैल गयी।
  - संघर्ष को राष्ट्रवादी संघर्ष से बदलकर इस्लामिक जिहाद बना दिया गया, जिससे अधिक विदेशी लड़ाके और धन आकर्षित हुआ।
- **भूगोल और छिद्रित सीमा:** कश्मीर का पहाड़ी इलाका सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा को कठिन बनाता है।
  - इससे आतंकवादियों की घुसपैठ, हथियारों की आवाजाही और छिपने के ठिकाने बनाने में मदद मिलती है।
  - यह इलाका आतंकवादियों को भारतीय सुरक्षा अभियानों से बचने में भी मदद करता है।
- **राजनीतिक अस्थिरता और शासन घाटा:** राज्यपाल शासन की अवधि, लगातार दमन और सीमित लोकतांत्रिक भागीदारी ने स्थानीय लोगों को अलग-थलग कर दिया है।
  - राजनीतिक अनिश्चितता के कारण सत्ता में शून्यता पैदा होती है जिसका उग्रवादी समूह फायदा उठाते हैं।
  - 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद भी कुछ वर्गों में अलगाव और अविश्वास बना हुआ है।
- **आतंकवादियों की बदलती रणनीति:** कश्मीर घाटी में कड़ी सुरक्षा के साथ, आतंकवादी हमले अब जम्मू क्षेत्र में फैल रहे हैं ।
  - पहलगाम हमले (2025) की तरह नागरिकों और पर्यटकों पर हमलों का उद्देश्य सामान्य स्थिति और पर्यटन को बाधित करना है।
  - ये हमले यह संकेत देने के लिए सोची-समझी चालें हैं कि कश्मीर अभी भी अस्थिर है।

हाल के हमलों में क्या कमियां उजागर हुई हैं?

- **खुफिया विफलता:** क्षेत्र में आतंकवादी खतरे के ज्ञात परिदृश्य के बावजूद, खुफिया एजेंसियां संचार को बाधित करने या गतिविधियों का पता लगाने में विफल रहीं।
  - लश्कर-ए-तैयबा के ज्ञात प्रतिनिधि द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे समूहों पर नज़र रखने में विफलता, अपर्याप्त निगरानी और HUMINT (मानव खुफिया) का संकेत देती है।

- **निगरानी अवसंरचना का अपर्याप्त उपयोग:** ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों का अपर्याप्त उपयोग, विशेष रूप से पहलगाम जैसे उच्च पर्यटक क्षेत्रों में।
    - भारत ने तकनीक-संचालित निगरानी में भारी निवेश किया है, फिर भी बैसरन जैसे हॉटस्पॉट में इसकी अनुपस्थिति तैनाती और समन्वय की कमी की ओर इशारा करती है।
- **सुरक्षा तैयारियों में लापरवाही:** घाटी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण यह एक आसान लक्ष्य बन गया।
    - ऐसा प्रतीत होता है कि सुरक्षा बलों ने सामान्य स्थिति की ओर लौटने की उम्मीद में अपनी चौकसी कम कर दी है।
    - अमरनाथ यात्रा मार्ग की निकटता के कारण सतर्कता बढ़ाई जानी चाहिए थी, जिसका स्पष्ट रूप से अभाव था।
- **निवारक पुलिसिंग के बजाय प्रतिक्रियात्मक:** हमले के प्रति प्रतिक्रिया घटना के बाद की गई, जिससे खतरे की पूर्व-चेतना का अभाव दिखा।
    - पूर्व-निवारक गश्त, क्षेत्र की सफाई और पर्यटकों के लिए चेतावनी प्रणाली का अभाव रणनीति और कार्यान्वयन के बीच की खाई को दर्शाता है।
- **खराब अंतर-एजेंसी समन्वय:** केंद्रीय और स्थानीय खुफिया, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बीच एक विसंगति प्रतीत होती है।
    - खुफिया जानकारी और जमीनी स्तर पर संचालन का एकीकरण अपर्याप्त था, जिसके कारण सुरक्षा कवरेज में खामियां पैदा हो गईं।
- **प्रतीकात्मक लक्ष्यों की सुरक्षा में विफलता:** पर्यटन कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति का एक प्रमुख प्रतीक है - जो इसे आतंकवादियों के लिए एक स्पष्ट रणनीतिक लक्ष्य बनाता है।
    - यह हमला कश्मीर में आर्थिक और मनोवैज्ञानिक सुधार को दर्शाने वाले प्रतीकात्मक/सार्वजनिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें सुरक्षित करने में विफलता को दर्शाता है।

आगे की राह -

- **उन्नत खुफिया जानकारी और निगरानी**: पर्यटन स्थलों और नियंत्रण रेखा (एलओसी) जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की निगरानी के लिए मानव खुफिया जानकारी (ह्यूमिन्ट), उन्नत ड्रोन, सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणालियों के माध्यम से खुफिया जानकारी एकत्र करने को मजबूत करना।
- **उन्नत सुरक्षा बल और त्वरित प्रतिक्रिया:** महत्वपूर्ण पर्यटक मार्गों पर अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात करें तथा हमलों का त्वरित, प्रभावी प्रत्युत्तर सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) स्थापित करना।
- **नागरिक समाज और सामाजिक आंदोलनों को मजबूत करना**: कश्मीर के नागरिक समाज को निंदा से ऊपर उठकर सक्रिय शांति-निर्माण प्रयासों में शामिल होना चाहिए। शांति के लिए लोगों की पहल को केवल राजनीतिक विचारधाराओं पर नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास और मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। सहिष्णुता, उदारवाद और सह-अस्तित्व की वकालत करने वाले सामाजिक आंदोलनों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिसमें जमीनी स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि पीढ़ियों तक निरंतर जुड़ाव बना रहे।
- **पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय और कूटनीतिक दबाव:** अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी रखें, उस पर सीमा पार आतंकवाद को समर्थन बंद करने और आतंकवाद विरोधी उपायों को मजबूत करने के लिए दबाव डालें।
- **आर्थिक और सामाजिक विकास**: कश्मीर में आर्थिक विकास में निवेश करें, रोजगार के अवसरों, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करें, ताकि कट्टरपंथ के मूल कारणों को दूर किया जा सके और दीर्घकालिक शांति और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

स्रोत: [The Hindu: Responding to the terror attack in Pahalgam]